बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

11 सितम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 217
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उत्तराखंड को मदद की उम्मीद

विशेष संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज आपदा प्रभावितों की खैर खबर लेने आ रहे हैं। शाम 4.15 बजे उनका जौली ग्रांट हवाई अड्डे पर पहुंचने की संभावना है। जहां से वह आपदा प्रभावित उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग और चमोली के उन क्षेत्रों के हवाई सर्वे पर जाएंगे जहां भारी नुकसान हुआ है। इस बीच मौसम विभाग द्वारा भी

❑पीएम के दौरे में मौसम डाल सकता है खलल
❑हिमालयी राज्यों के लिए अलग आपदा नीति बने

राज्य की राजधानी दून सहित 6 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है। जिसमें रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी व चमोली भी शामिल है। अब मौसम के मिजाज पर निर्भर करेगा कि प्रधानमंत्री हवाई सर्वे पर जा सकेंगे या नहीं। लेकिन उनके उत्तराखंड आने को लेकर सरकार इस बात को लेकर आशान्वित जरूर है कि पीएम आएंगे तो देवभूमि को आपदा राहत के तौर पर बड़ी आर्थिक मदद देकर जाएंगे।

File Photo

इस दौरे का समय लगभग तीन या साढे तीन घंटे का ही तय है जिसमें आपदा पीड़ितों से हवाई अड्डे पर ही मुलाकात तथा हवाई सर्वे से लेकर अधिकारियों के साथ बैठक और आपदा पर प्रेजेंटेशन आदि तमाम कार्यक्रम शामिल है। खराब मौसम के बीच क्या-क्या संभव हो सकता है यह आने वाला समय ही बताएगा लेकिन प्रशासन ने सभी तैयारियां जरूर कर रखी हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड के साथ हमेशा ही प्रेम पूर्ण और उदार भाव रहा है उनके आने से आपदा प्रभावितों का मनोबल बढ़ेगा। उधर पूर्व मुख्यमंत्री हुआ सांसद त्रिवेंद्र सिंह का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी पहाड़ वासियों के दुख दर्द को अच्छे से समझते हैं। इस बार मानसून काल में राज्य को भारी नुकसान हुआ है। हिमाचल, पंजाब तथा जम्मू कश्मीर की तरह वह उत्तराखंड को भी इस आपदा से निपटने के लिए पर्याप्त और बड़ी आर्थिक मदद देंगे ऐसी उन्हें उम्मीद है। भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि हिमालयी राज्यों की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के मद्देनजर उनके लिए अलग आपदा प्रबंधन नीति बनाए जाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी आज शाम को ही दिल्ली लौट जाएंगे।

पर्यटन को बढावा देने के लिए केंद्र और एशियन विकास बैंक में समझौता

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के पर्यटन को बढावा देने के लिए केन्द्र सरकार और एशियन विकास बैंक ने 126.4 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किये।

आज यहां एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के टिहरी झील क्षेत्र में सतत और जलवायु-लचीले पर्यटन के माध्यम से ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए 126.42 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए। टिहरी झील क्षेत्र परियोजना में सतत, समावेशी और जलवायु-लचीला पर्यटन विकास पर हस्ताक्षरकर्ता वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव सुश्री जूही मुखर्जी और एडीबी के भारत में प्रभारी अधिकारी काई वेई येओ थे। ऋण समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद सुश्री मुखर्जी ने कहा, एडीबी ऋण उत्तराखंड सरकार की उस नीति का समर्थन करता है, जिसके तहत राज्य को एक विविधतापूर्ण, सभी मौसमों में पर्यटन के लिए उपयुक्त पर्यटन स्थल के रूप में तैयार करना है, तथा टिहरी झील को विकास के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है। येओ ने कहा, 'यह परियोजना एक जलविद्युत झील के आसपास स्थायी पर्यटन के लिए एक मॉडल प्रस्तुत करती है, जिसमें रोजगार सृजन, आय में विविधता लाने और जलवायु दृढ़ता बनाने के लिए बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण अपनाया गया है।' यह परियोजना उत्तराखंड के सबसे जलवायु-संवेदनशील और आर्थिक रूप से वंचित क्षेत्रों में से एक, टिहरी गढ़वाल जिले

● 126.4 मिलियन डॉलर के ऋण के लिए हुआ यह करार

को लक्षित करती है। इसका उद्देश्य बेहतर पर्यटन योजना, उन्नत बुनियादी ढाँचे, बेहतर स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन, और आपदा तैयारी के माध्यम से 87,000 से अधिक निवासियों और 27 लाख वार्षिक आगंतुकों को लाभान्वित करना है। प्रमुख कार्यक्रमों में संस्थागत सुदृढ़ीकरण, जलवायु-लचीला बुनियादी ढांचा, भूस्खलन और बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए प्रकृति-आधारित समाधान, तथा महिलाओं, युवाओं और निजी क्षेत्र के नेतृत्व में समावेशी पर्यटन सेवाएं शामिल हैं। उल्लेखनीय विशेषताओं में महिलाओं, युवाओं और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों के नेतृत्व में पर्यटन को समर्थन देने के लिए आजीविका मिलान अनुदान कार्यक्रम, विकलांग व्यक्तियों सहित सार्वभौमिक पहुंच डिजाइन, और पायलट गांवों में महिलाओं के नेतृत्व वाली आपदा जोखिम प्रबंधन पहल शामिल हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

बड़ा बदलाव, समय की जरूरत

'सिंहासन खाली करो जनता आती है, चाहे कोई राजा हो या फिर महाराजा अथवा किसी भी देश का प्रधानमंत्री हो या फिर राष्ट्रपति उसका ओहदा और अस्तित्व सिर्फ तभी तक होता है जब तक जनता उसे अस्तित्व में बनाए रखना चाहती है। जब जन विश्वास की यह दीवार ढह जाती है तब किसी की भी सल्तनत चंद मिनटो में ही कैसे भरभरा कर खंड-खंड हो जाती है नेपाल इसकी सबसे ताजा मिसाल है। इससे पूर्व हालांकि हम कुछ इसी तरह के हालात अपने पड़ोसी मुल्क श्रीलंका और बांग्लादेश में भी देख चुके हैं। नेपाल का जिक्र यहां इसलिए करना ज्यादा जरूरी हो गया है क्योंकि देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस वी आर गवई ने आज राज्यपालों और राष्ट्रपतियों द्वारा राज्य सरकारों के विधेयकों को रोके जाने के मामले की सुनवाई के दौरान एक ऐसी टिप्पणी की जिसमें नेपाल के वर्तमान हालात का भी जिक्र किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कर्नाटक सरकार की अपील पर हालांकि पहले ही राज्यपालों व राष्ट्रपति के लिए किसी भी सरकार द्वारा पास किए गए विधेयको पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय कर दी गई है लेकिन राष्ट्रपति द्वारा चीफ जस्टिस और सुप्रीम कोर्ट को एक खत लिखकर उनके अधिकारों पर जानकारी मांगे जाने का यह मुद्दा अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है। चीफ जस्टिस वी आर गवई ने इस पर आज जो कुछ कहा है वह अत्यंत ही गंभीर और विचारणीय मुद्दा है। उन्होंने कहा है कि हमें अपने संविधान पर गर्व है जरा नेपाल के हालात की ओर देखिए? चीफ जस्टिस गवई ने जो कुछ कहा है वह उन तमाम नेताओं जो संविधान बदलने की सोच के साथ सत्ता में बने रहना चाहते हैं, उनके लिए एक गंभीर सवाल है? बीते लोकसभा चुनाव से संविधान बदलने का मुद्दा तो चर्चाओं के केंद्र में बना ही हुआ है इसके साथ ही देश की संवैधानिक स्वायत्तता धारी संस्थाओं को भी अपने अनुकूल काम करने या मातहत बनाने की जो कोशिशे की जा रही है वह किसी से भी छिपी नहीं है। कुछ बातें कही जाती हैं और कुछ बातें समझी जाती हैं चीफ जस्टिस ने जो कहा है उसका सीधा आशय यह है कि अगर सत्ता का आचरण संविधान संम्वत नहीं होता है तो फिर उसका हश्र नेपाल जैसा होता है। इसलिए हमें अपने संविधान पर गर्व होना चाहिए तथा संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखा जाना चाहिए। नेपाल की जनता का आक्रोश कोई बेवजह नहीं है। यदि कुछ गिने चुने लोग सत्ता को अपनी बपौती मानकर उस पर कुंडली मार कर बैठ जाए और सत्ता में बने रहने के लिए अपने विधान को बदलने लगे जैसा कि नेपाल के वयोवृद्ध प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा था तो इसके नतीजे में वह सब कुछ होना ही था जो हम देख रहे हैं। जनता सड़कों पर उतरी नहीं बल्कि उसने पीएम के घर और संसद भवन से लेकर सुप्रीम कोर्ट परिसर तक फूंक डाला गया। लोकतंत्र में सरकारों के पास जो ताकत व शक्ति होती है वह संविधान और जनता के द्वारा दी गई होती है और जनता जब सत्ता की मनमानी से ऊब जाती है तब नेपाल जैसे हालात ही होते हैं। जिनकी ओर इशारा आज चीफ जस्टिस गवई द्वारा किया गया है। उधर आज संघ प्रमुख का एक ऐसा बयान फिर आया है जिसमें उन्होंने सत्ता का दुरुपयोग अपने निजी हितों के लिए न करने और 75 साल की उम्र पर युवाओं के लिए कुर्सी छोड़ने की नसीहत दी है। यह बयान उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद आया है। इसके बाद पीएम मोदी के जल्द इस्तीफे की खबरें दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में तेज हो गई है। वह इस्तीफा देते हैं तब भी और नहीं देते हैं तब भी यह देश की राजनीति में बड़े बदलाव का ही संकेत है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा किया गया जागरूकता शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। जिला विधि सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर बीएस नेगी महिला पॉलीटेक्निक में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

आज यहां जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून प्रेम सिंह खिमाल के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सीमा डुँगराकोटी द्वारा बीएस नेगी, महिला पॉलीटेक्निक, कौलागढ़ रोड, में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में सचिव द्वारा साइबर अपराध, कमर्शियल कोर्ट, अनैतिक तस्करी, पोश एक्ट, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर तथा अन्य कानूनों के संबंध में जानकारी दी गई तथा सभी को सचेत भी किया गया कि कभी भी किसी दुर्व्यवहार से किसी कानून का गलत इस्तेमाल न करें। साथ ही बालिकाओं को बताया गया कि जब वे अपना कोर्स पूर्ण करके नौकरी में जाएंगे तो यह जानकारी लाभकारी रहेगी क्योंकि पोश एक्ट कार्यस्थल में किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार पर महिलाओं का एक सहयोगी अधिकार है। किसी भी उत्पीड़न या दुर्व्यवहार पर कार्यस्थल में बनी आंतरिक कमेटी को सूचित ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'आत्महत्या की रोकथाम' विषय पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में समाजशास्त्र और मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच आत्महत्या की रोकथाम विषय पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी को मानसिक अवसाद और तनावग्रस्त लोगों के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलना होगा। हमें आपस में संवाद बनाए रखने का प्रयास करना होगा तथा अपने आस पास के परिवेश के प्रति सजग होना होगा ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अवधेश नारायण सिंह ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि उन्हें जीवन की छोटी मोटी परेशानियों से हताश होकर कोई नकारात्मक कदम नहीं उठाना चाहिए । जीवन को समग्रता में जीते हुए हार जीत को सहज भाव से लेना चाहिए।

इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्याम सिंह ने प्रथम तथा इसी कक्षा की सरिता बिष्ट ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुईता मण्डल ने पोस्टर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की अनामिका सिंह ने प्रथम ने, बी.ए.प्रथम सेमेस्टर के गणेश भट्ट ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एम.ए. समाजशास्त्र तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रश्मि तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

महाविद्यालय की अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर शैलजा जोशी, समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रवींद्र कुमार सैनी तथा इतिहास विभाग की डॉ अपर्णा सिंह ने पोस्टर और भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई । कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि और महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रोफेसर अमिता चौरसिया , प्रोफेसर विकास दुबे, डॉ विकार हसन खघन, डॉ नमिता कान्याल, डॉ दीपमाला , डॉ प्रद्युम्न रिछारिया, डॉ पूनम शाह , डॉ कमला बोरा, डॉ शिल्पी अग्रवाल, डॉ राजेश कुमार, डॉ रवीश त्रिपाठी, डॉ सर्वजीत सिंह, डॉ मनोज पांडेय , डॉ पूनम रौतेला, डॉ शलभ गुप्ता , डॉ विवेकानंद पाठक, डॉ सुमन फुलारा और महाविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहे । कार्यक्रमके सफल संचालन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी कैलाश चौधरी, सरिता बिष्ट, अनामिका सिंह, सावीन जहां, निकिता , शुवांशु बिष्ट यहां कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग के श्री जनार्दन कांडपाल और कर्मचारी संदीप डसीला ने सहयोग प्रदान किया।

पुलिस ने धराली आपदा प्रभावितों को की राहत सामग्री वितरित

संवाददाता

उत्तरकाशी। हर्षिल, धराली में आई भीषण आपदा के प्रभावित परिवारों को पुलिस ने राहत सामग्री वितरित की।

मिली जानकारी के अनुसार बीते 5 अगस्त 2025 को जनपद उत्तरकाशी के हर्षिल,धराली क्षेत्र में आई भीषण प्राकृतिक आपदा में भारी जान-माल का नुकसान हुआ था। आपदा के तुरंत बाद से ही वहां पर राहत एवं बचाव कार्य पुरजोर तरीके से चलाया गया। प्रभावित परिवारों को शासन-प्रशासन द्वारा लगातार खाद्य एवं राहत सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है। श्रीमती सरिता डोबाल पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में आज पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार द्वारा उत्तरकाशी पुलिस टीम के साथ धराली गांव पहुंचकर आपदा प्रभावितों से मिलकर कुशलक्षेम जानी गयी तथा प्रभावित परिवारों को हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड हरिद्वार के सौजन्य से प्राप्त कम्बल, तिरपाल, जूते/चप्पल, बर्तन आदि आवश्यक उपयोग की वस्तुएं वितरित की गई। पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार द्वारा सभी को पुलिस-प्रशासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया गया।

समिति ने वीर अब्दुल हमीद को उनकी पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने देश के महान सपूत वीर अब्दुल हमीद को उनकी पुण्यतिथि पर उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने देश के महान सपूत क्वार्टरमास्टर हवलदार स्वर्गीय वीर अब्दुल हमीद की पुण्यतिथि के अवसर पर वीर अब्दुल हमीद चौक (तहसील चौक) पर जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्मरण रहे की वीर अब्दुल हमीद की मृत्यु 10 सितंबर 1965 को पाकिस्तान भारत युद्ध के दौरान अल्प आयु में हो गई थी उनका जन्म एक जुलाई 1933 को हुआ था।

इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने बताया की अल्प आयु में ही वीर अब्दुल हमीद ने सन 62 का युद्ध जो चीन से हुआ और सन् 65 का युद्ध जो पाकिस्तान से हुआ दोनों में अब्दुल हमीद ने अपनी वीरता से दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए थे। पाकिस्तान को अमेरिका के द्वारा दिए गए पैटर्न टैंक जिस पर पाकिस्तान बहुत नाज कर रहा था उन टैंकों को उड़ाने में वीर अब्दुल हमीद का बहुत बड़ा हाथ था और अब्दुल हमीद के इस कारनामें से पाकिस्तान पूरी तरह हिल गया था। पैटर्न टैंक उड़ाते हुए फिर अब्दुल हमीद वीरगति को प्राप्त हुए और देश का नाम रोशन किया। वीर अब्दुल हमीद ने पाकिस्तान और भारत के युद्ध के दौरान युद्ध भूमि में यह दिखा दिया कि वह कितने बड़े देशभक्त थे। वह देश को सर्वोच्च रखने में वीरता से लड़े और देश के लिए शहीद हो गए। देश ऐसे वीर शहीद को कभी नहीं भूल पाएगा। हम सदैव वीर अब्दुल हमीद के ऋणी रहेंगे।

समिति ने जिला प्रशासन से वीर अब्दुल हमीद चौक पर उनके नाम की पट्टीका लगाए जाने की मांग की जिससे दूर से ही लोगों को यह दिखे कि यह चौक किस शाहिद के नाम से है। वीर अब्दुल हमीद को याद करने वालों में समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, दानिश नूर, प्रदीप कुकरेती, इलियास कुरैशी, जय बिष्ट, सुशील विरमानी, विजेंद्र रावत, इम्तियाज अहमद, पारस यादव आदि मौजूद रहे।

नक्शे राष्ट्रों के हथियार हैं, जिनकी रेखाएँ भूगोल से नहीं, ताक़त से बदलती हैं

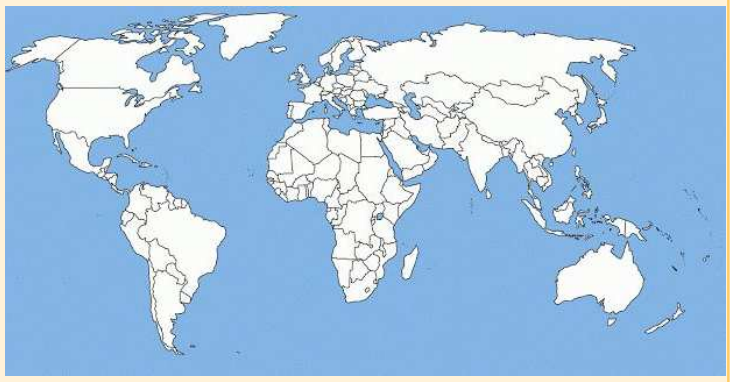

श्रुति व्यास

नक़्शा–तीन अक्षरों का छोटा–सा शब्द, मासूमियत से भरा और तभी अक्सर नज़रअंदाज़ किया जाने वाला। हमें सिखाया गया कि यह बस दुनिया का एक चित्र है। एक पन्ना जिस पर महाद्वीप ऐसे चिपके हैं मानो नीले समुद्र पर तैरते कागज़ी कट–आउट हों। अक्षांश–देशांतर की रेखाएँ उसे थामे रहती हैं, भूमध्य रेखा बेल्ट की तरह उसे संतुलन देती है। बच्चे के लिए यह तथ्य है, छात्रों के लिए पाठ, और हममें से अधिकतर के लिए एक सामान्य आवश्यकता।

लेकिन नक़्शा, यह छोटा शब्द, असल में बहुत भारी और महत्वपूर्ण है। नक़्शे कभी मासूम नहीं होते। वे निष्पक्षता का भ्रम रचते हैं, और यही भ्रम उनकी सबसे बड़ी ताक़त है। और हम इसे महसूस नहीं करते–जब तक कि अचानक महसूस न हो जाए। एशिया फैलता जाता है, लेकिन उत्तर अमेरिका असमान रूप से बड़ा खींचा जाता है। यूरोप–छोटा–सा भूभाग–केंद्र में इतरा कर बैठा है, आकार से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास झलकाते हुए। ऑस्ट्रेलिया कोने में लटकता, ध्यान खींचने की कोशिश करता है। और अफ़्रीका–हमेशा विशाल, हमेशा अनिवार्य–नीचे खिसकाया गया, सिकुड़ा हुआ, मानो किसी शांत उपसंहार की तरह।

नक़्शा निष्पक्ष होने का दिखावा करता है, पर हर रेखा एक चुनाव है, हर छूट एक फ़ैसला, हर प्रोजेक्शन एक दृष्टिकोण। यह हमें बताता है कि कौन केंद्र में है और कौन हाशिए पर, कौन बड़ा है और कौन गैर–ज़रूरी। नक़्शे दर्पण भी हैं और मिथक भी–धरती को दिखाते हुए उसे किसी की दृष्टि के अनुसार मोड़ देते हैं। नक़्शा पढ़ना मतलब राजनीति पढ़ना है–मौन में। सरहदें, अनुपात, रिक्त जगहें–सबमें नक़्शानवीस का अधिकार दर्ज होता है। सीमाएँ कहाँ खींचनी हैं, कौन–सा भूभाग उभारना है, क्या मिटा देना है–ये वैज्ञानिक दुर्घटनाएँ नहीं, दृष्टि के और अक्सर विजय के कार्य होते हैं।

वह परिचित मर्केटर नक़्शा–जो हमारी स्मृतियों में दर्ज है और आज भी गूगल पर चलता है–अब चुनौती के घेरे में है। अफ़्रीकी संघ ने कह दिया है कि बहुत हुआ, अब और बरदास्त नहीं। इस महीने उसने 16वीं सदी की मर्केटर प्रोजेक्शन–जो अब तक स्कूलों, किताबों और संस्थानों का डिफ़ॉल्ट था–को छोड़ने के अभियान का समर्थन किया। इसकी जगह ऐसा नक़्शा लाने की माँग है जो अफ़्रीका को उसके असली पैमाने पर रखे।

मर्केटर प्रोजेक्शन सच्चाई के लिए नहीं बना था। 1569 में गेरार्डस मर्केटर ने इसे नाविकों के लिए तैयार किया था–ताकि समुद्र पर सीधी रेखाएँ मिलें, न कि ज़मीन का ईमानदार अनुपात। और इसी में अफ़्रीका सिकुड़ गया और यूरोप फूल गया। यह विकृति सुविधाजनक साबित हुई- यूरोप मज़बूत दिखा, और उपनिवेशित महाद्वीप छोटे, तुच्छ। ताक़त नक़्शे पर खींची गई और अफ़्रीका को छोटा कर दिया गया।

यह केवल नक़्शानवीसों की बारीक़ी का झगड़ा नहीं, बल्कि इतिहास का घाव है। क्योंकि नक़्शे सिर्फ़ महाद्वीपों को नहीं बिगाड़ते, वे तक़दीरें भी बदलते हैं। जल्दबाज़ी में खींची गई सरहदें, भूगोल या संस्कृति की परवाह किए बिना, पीढ़ियों तक ख़ून बहाती हैं। भारत–पाकिस्तान की रेखा ऐसी ही चोट थी। ब्रिटिश वकील सिरिल रैडक्लिफ़–जिन्होंने उपमहाद्वीप में कभी क़दम नहीं रखा था–से पाँच हफ्तों में देश बाँटने को कहा गया। उनकी स्याही ने गाँव, परिवार, इतिहास बाँट डाले। यह याद दिलाते हुए कि नक़्शे राह दिखाते ही नहीं, घाव भी देते हैं।

भारत–चीन की सीमा पर भी वही भूत है। 1914 में खींची गई मैकमोहन रेखा–औपनिवेशिक अफ़सर की कलम से–आज भी विवाद का कारण है। उसकी पराई स्याही अब भी हिमालय में संघर्ष भड़काती है। और यह विकृति सिर्फ़ अतीत तक सीमित नहीं। आज भी दुनिया की नक़्शानवीस ताक़तें–अमेरिका का गूगल, चीन के राज्य एटलस, वाशिंगटन के आधिकारिक नक़्शे–सरहदों को राजनीति के दावों के अनुसार मोड़ते हैं। नक़्शे राष्ट्रों के हथियार हैं, जिनकी रेखाएँ भूगोल से नहीं, ताक़त से बदलती हैं। इस दृष्टि से देखें तो मर्केटर के ख़िलाफ़ अफ़्रीका का विरोध एक बड़े हिसाब–किताब का हिस्सा है। सदियों तक नक़्शे साम्राज्यों के औज़ार रहे हैं–किसी को सिकोड़ने, किसी को बढ़ाने, कुछ सरहदों को वैध ठहराने और कुछ को कुचलने का। नक़्शे को सुधारना सिर्फ़ कागज़ पर अनुपात ठीक करना नहीं है। यह गरिमा की माँग है–हाशिए पर नहीं, केंद्र में देखे जाने की माँग।

शायद इसी वजह से अफ़्रीकी संघ की माँग गूँजती है। यह घमंड का मामला नहीं, भूगोल का नहीं। यह नज़र का मामला है–दृष्टि को वापस लेने का। नक़्शा–तीन अक्षरों का छोटा–सा शब्द–इतिहास का बोझ ढो रहा है, और अब उसे फिर से लिखा जाने की माँग उठ रही है। और ठीक ही है। क्योंकि अगर नक़्शे झूठ बोल सकते हैं, तो उन्हें सुधारा भी जा सकता है। और जिस दिन अफ़्रीका अपने असली पैमाने पर खींचा जाएगा, उस दिन शायद दुनिया को भी खुद को नए सिरे से देखना पड़ेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वृद्धाश्रमः भारतीय पारिवारिक संरचना पर संकट

●देवेंद्र के. बुडाकोटी

उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य के हर जिले में वृद्धाश्रम खोलने की हालिया घोषणा ने मुझे, एक समाजशास्त्री के रूप में, यह सोचने पर विवश किया कि क्या वास्तव में पहाड़ी समाज को वृद्धाश्रमों की आवश्यकता है? खासकर तब जब यहां परिवार का अर्थ केवल माता–पिता और बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक विस्तृत रिश्तों की जड़ से जुड़ी व्यवस्था है।

यदि सरकार वाकई बुजुर्गों के हित में काम करना चाहती है, तो वह नागरिक समाज संगठनों को वृद्धाश्रमों की स्थापना के लिए प्रोत्साहित कर सकती है और उनके संचालन में सहायता कर सकती है। अधिकांश बुजुर्ग जो वृद्धाश्रमों में रहते हैं, वे आर्थिक और मानसिक रूप से सक्षम होते हैं और निजी संस्थानों द्वारा दी जा रही सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। सरकार को वृद्धाश्रम नहीं, बल्कि निराश्रितों के लिए आश्रय गृह स्थापित करने चाहिए।

सार्वजनिक नीति अक्सर तब बनती है जब नागरिक समाज किसी मुद्दे को लंबे समय तक उठाता है और उसे जनचर्चा का विषय बनाता है। निराश्रितों, विकलांगों या पीड़ित महिलाओं के लिए आश्रय गृह समझ में आते हैं, लेकिन मानसिक और आर्थिक रूप से सक्षम बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम एक अस्वाभाविक कदम प्रतीत होता है, खासकर भारतीय समाज की पारिवारिक परंपराओं को देखते हुए।

भारतीय पारिवारिक व्यवस्था गहराई से जुड़ी हुई है, और यही इसकी सामाजिक

स्थिरता का आधार है। पाश्चात्य विद्वानों ने भारतीय परिवारों को ग्राम समुदाय, संयुक्त परिवार, विस्तारित परिवार और आधुनिक काल में विकसित हुए एकल (न्यूक्लियर) परिवार के रूप में वर्गीकृत किया है। किंतु भारत में, चाहे परिवार किसी भी प्रकार का हो, बुजुर्ग सदस्यों को अक्सर परिवार का अभिन्न हिस्सा माना जाता है।

एक उदाहरण देखेंख़जब किसी बेटी की विदाई विवाह के बाद होती है, तो केवल उसके माता–पिता ही नहीं, बल्कि पूरे गांव और मोहल्ले के लोग भावुक होकर रो पड़ते हैं। यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि भावनात्मक और पारिवारिक संबंधों की गहराई को दर्शाता है।

भारत में रिश्तों की एक जटिल और मजबूत प्रणाली है, जहां बुजुर्ग माता–पिता की देखभाल आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना संतानें करती हैं। यदि कहीं किसी बुजुर्ग की उपेक्षा या दुर्व्यवहार होता है, तो वह खबर बनती है और स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो जाता है।

पश्चिमी समाजों में अधिकतर परिवार एकल होते हैं, और वहां वृद्धाश्रम जाना एक सामान्य बात है। वे शायद यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि कोई बेटा अपने माता–पिता, पत्नी, बच्चों के साथ–साथ अपने चाचा (जिनके अपने सफल बेटे और बहुएं हैं) को भी साथ रखे। लेकिन भारत में यह सामान्य है।

यहां परिवार सिर्फ खून के रिश्तों तक सीमित नहीं है। पड़ोसी भी रिश्तेदार बन जाते हैं। राखी भाई, राखी बहन, भाभी, भाई साहब जैसे संबोधन केवल सामाजिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि भावनात्मक संबंध हैं। यहां तक कि दोस्तों के जीवनसाथी भी परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। विवाह का अधिकांश हिस्सा आज भी पारंपरिक रूप से तय होता है, जिससे रिश्तों की यह श्रृंखला बनी रहती है।

औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और शिक्षा या रोजगार के लिए पलायन ने एकल परिवारों की संख्या में वृद्धि की है। यही कारण है कि शहरी क्षेत्रों में वृद्धाश्रम उभरने लगे हैं। लेकिन पारिवारिक मूल्यों की जड़ें अब भी गहरी हैं। कई परिवार भले ही भौगोलिक रूप से अलग रहते हों, लेकिन भावनात्मक रूप से वे जुड़े रहते हैं। एक ऐसा समाज जो अपने बुजुर्गों की देखभाल नहीं कर सकता, धीरे–धीरे नैतिक और सामाजिक पतन की ओर बढ़ता है। यदि हम केवल संस्थागत सुविधा को अपनाते हुए भावनात्मक जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेंगे, तो हम एक दिशाहीन और विघटित समाज की ओर अग्रसर होंगे।

(लेखक समाजशास्त्री हैं और चार दशकों से विकास क्षेत्र में कार्यरत हैं)

डार्क सर्कल दूर करने में मदद करेगी हल्दी

क्या आपसे भी अक्सर लोग यही कहते हैं कि आप अपनी उम्र से ज्यादा बड़ी दिखती हैं? क्या लोग अक्सर आपका चेहरा देखकर आपको बीमार और थका हुआ कहते हैं? अगर इन सभी सवालों का जवाब हां है तो इन सारी चीजों के लिए सिर्फ एक चीज है जिम्मेदार है और वह है आपकी आंखों के आसपास मौजूद काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स। फिर चाहे ये लैपटॉप या कम्प्यूटर स्क्रीन के सामने देर तक काम करने की वजह से हो या फिर नींद पूरी न होने की वजह से या फिर दिनभर के काम और तनाव की वजह से...

वजह चाहे जो हो डार्क सर्कल्स आपके चेहरे की खूबसूरती छीन लेते हैं और आप अपनी उम्र से ज्यादा बड़ी दिखने लगती हैं। ऐसे में अगर आप भी डार्क सर्कल्स की वजह से परेशान हैं तो स्ट्रेस लेने या फिर केमिकल्स से भरे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स यूज करने की बजाए किचन में मौजूद घरेलू नुस्खे अपना सकती हैं और वह नुस्खा है हल्दी का। अच्छी बात ये है कि हल्दी का कोई साइड इफेक्ट नहीं है और ये आंखों के आसपास की स्किन को हाइड्रेट कर डार्क सर्कल्स दूर करने में मदद करती है।

हल्दी का पेस्ट करेगा जादू जैसा असर

अपने ऐंटि–इन्फ्लेमेट्री और ऐंटिऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज की वजह से हल्दी, डार्क सर्कल्स को दूर करने में कारगर

साबित हो सकती है। इसके लिए 2 चम्मच हल्दी पाउडर में 1 चम्मच दही और नींबू के रस की कुछ बूंदें डालें। इस मिश्रण को अच्छी

तरह से मिक्स करें और फिर पेस्ट बनाकर आंखों के आसपास मौजूद डार्क सर्कल्स पर अच्छी तरह से लगा लें। करीब 15–20 मिनट के लिए इस पेस्ट को लगा रहने दें और फिर नॉर्मल पानी से वॉश कर लें। बेहतर नतीजों के लिए हल्दी के इस पेस्ट को हर दिन सोने से पहले लगाएं और फिर देखें डार्क सर्कल्स कैसे गायब हो जाएंगे।

ये नुस्खे भी आएंगे काम

– ऑरेंज जूस में ग्लिसरीन मिलाएं और डार्क सर्कल पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। हफ्ते में 3 बार ये नुस्खा अपनाएं।

– टमाटर के जूस को आंखों के आसपास लगाएं और 20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर पानी से धो लें।

– खीरे के जूस को हर दिन डार्क सर्कल्स पर लगाएं और 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। डार्क सर्कल्स कम हो जाएंगे।

– विटमिन ई से भरपूर बादाम का तेल भी डार्क सर्कल्स दूर करने में आपकी मदद कर सकता है।

क्या है इलेक्ट्रिक मसल्स स्टिमुलेशन?

इलेक्ट्रिक मसल्स स्टिमुलेशन (ईएमएस) वर्कआउट कमजोर या ऐंठन का अनुभव कर रही मांसपेशियों को उत्तेजना देने में सहायक है। यह डीप बैक मसल्स के साथ-साथ शरीर के सभी मांसपेशियों को 95 प्रतिशत तक एक्टिव करता है। कई मशहूर हस्तियों के बीच यह एक्सरसाइज काफी लोकप्रिय है। यह बहुत कम समय तक और हफ्ते में सिर्फ एक बार ही की जाती है। आइए आज हम आपको इस वर्कआउट के बारे में विस्तार से बताते हैं।

इलेक्ट्रोड लगे सूट पहनकर होती है एक्सरसाइज

ईएमएस एक्सरसाइज करने के लिए एक खास सूट पहनते हैं, जिसमें कई इलेक्ट्रोड होते हैं। कुछ ईएमएस स्टूडियो में इस सूट के वायरलेस होते हैं, लेकिन ज्यादातर में इलेक्ट्रोड मशीन से जुड़े होते हैं। एक्सरसाइज को आमतौर पर सुरक्षित माना जाता है, लेकिन मेडिकल कंडीशन में इस एक्सरसाइज को नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जब कोई व्यक्ति इस सूट को पहनकर एक्सरसाइज करता है तो उसके मांसपेशियों को थोड़े और हल्के बिजली के झटके जैसा महसूस होता है।

ईएमएस एक्सरसाइज करने के लिए 20 मिनट पर्याप्त

ईएमएस वर्कआउट महज 15 से 20 मिनट तक कर आप इसका पूरा फायदा उठा सकते हैं। कई शोधकर्ताओं का मानना है कि केवल 20 मिनट की ईएमएस एक्सरसाइज करने से 90 मिनट की इंटेंस एक्सरसाइज करने का लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर नियमित रूप से स्क्वैट्स और लंग्स की एक्सरसाइज की जाए तो भी हफ्ते में एक बार 20 मिनट तक की जाने वाली ईएमएस वर्कआउट ज्यादा प्रभावी है।

एक्सपर्ट की निगरानी में ही करें यह एक्सरसाइज

ईएमएस वर्कआउट सिर्फ उन स्टूडियो में ही किया जा सकता है जो खास इसके लिए ही डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा सुरक्षा को देखते हुए इसे ईएमएस एक्सपर्ट ट्रेनर के मार्गदर्शन में ही करना चाहिए। ईएमएस मशीनें आसानी से ऑनलाइन भी मिल जाती हैं, जिन्हें घर पर रखकर इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन कोई चोट या अनहोनी से बचने के लिए इसे स्टूडियो में एक्सपर्ट के साथ ही करना चाहिए।

एक अध्ययन से पता चला है कि ईएमएस स्वस्थ लोगों और एथलीट दोनों में ज्यादा ताकत बढ़ाने के लिए कारगर है। बहुत से लोग ऐसा मानते हैं कि ईएमएस एक्सरसाइज फिट रहने का एक अच्छा तरीका है। हालांकि, गर्भवती महिलाएं और जिनके पास पेसमेकर है या किसी दूसरी बीमारी से जूझ रहे हैं तो उन्हें इस एक्सरसाइज को करने से बचना चाहिए।

पेट में संक्रमण हो तो करें घरेलू उपाय

कई बार हमारा पेट खराब हो जाता है और हम डॉक्टर के पास पहुंच जाते हैं पर कुछ घरेलू इलाज से भी आप पेट का संक्रमण ठीक कर सकते हैं। पेट में संक्रमण के कई कारण हो सकते हैं जैसे खाना या पानी ठीक न होना। या हाथ साफनहीं होने से खाने के जरिये संक्रमण पेट तक पहुंच जाना। इससे इमें उल्टी, दस्त , कमजोरी होना, होना और कभी-कभी बुखार होने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अगर आप भी इस प्रकार की समस्या से परेशान हैं तो राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय।

अदरक

पेट की गड़बड़ी में अक्सर अदरक का इस्तेमाल काफी कारगर होता है। इसमें एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं, जो पेट दर्द में राहत देता है। एक चम्मच अदरक पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से आराम मिलता है।

दही

पेट दर्द में दही का इस्तेमाल काफी फायदेमंद रहता है। दही में मौजूद बैक्टीरिया संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिससे पेट जल्दी ठीक होता है। साथ ही ये पेट को ठंडा भी रखता है।

सेब का सिरका

पेट दर्द में सेब के सिरके का घरेलू उपाय भी काफी कारगर साबित होता है। सेब के सिरके में पेक्टिन की पर्याप्त मात्रा होती है जिससे पेट दर्द और मरोड़ में राहत मिलती है। इसका अम्लीय गुण खराब पेट के संक्रमण को ठीक करने में भी कारगर है। एक चम्मच सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर पीने से जल्दी आराम होता है।

केला

अगर आप बार-बार हो रहे मोशन से परेशान हो चुके हैं तो केले का इस्तेमाल आपको राहत देगा। इसमें मौजूद पेक्टिन पेट को बांधने का काम करता है। इसमें मौजूद पोटेशियम की उच्च मात्रा भी शरीर के लिए फायदेमंद होती है।

पुदीना

पुदीना एक बेहद हेल्दी हर्ब है। सदियों से इसका इस्तेमाल पेट से जुड़ी समस्याओं के समाधान में किया जाता रहा है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाचन क्रिया को सुधारने में भी सहायक होता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अपने बच्चे को परीक्षा के तनाव से निकालने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

परीक्षा का समय बच्चों के लिए बहुत तनावपूर्ण होता है। इस दौरान माता-पिता का व्यवहार और समर्थन बहुत जरूरी होता है। बच्चों को परीक्षा के दौरान तनाव से निपटने के लिए सही मार्गदर्शन और सहारा देकर उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बच्चों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रख सकते हैं।

नियमित आराम दें

परीक्षा की तैयारी करते समय बच्चों को नियमित आराम देना बहुत जरूरी है। लगातार पढ़ाई करने से थकान और तनाव बढ़ता है इसलिए हर 1-2 घंटे बाद 10-15 मिनट का आराम जरूर दें। इस दौरान बच्चे थोड़ी देर टहल सकते हैं, संगीत सुन सकते हैं या अपनी पसंदीदा गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इससे उनका मन हल्का रहेगा और वे ताजगी महसूस करेंगे, जिससे उनकी पढ़ाई की क्षमता भी बढ़ेगी।

सकारात्मक सोच बढ़ावा दें

बच्चों को हमेशा सकारात्मक सोच रखने की सलाह दें। उन्हें बताएं कि हर मुश्किल परिस्थिति में कुछ अच्छा भी हो सकता है और असफलता का मतलब यह नहीं कि वे कभी सफल नहीं हो सकते। उन्हें प्रेरित करें कि वे अपनी गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। सकारात्मक सोच से बच्चे आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे और तनाव को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे। यह उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाएगा और उनके प्रदर्शन में सुधार लाएगा।

पर्याप्त नींद और पोषण दें

बच्चों को पर्याप्त नींद और पोषण देना बहुत जरूरी है। परीक्षा के दौरान नींद की कमी और खराब आहार से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। उन्हें अच्छी नींद लेने और पौष्टिक भोजन खाने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका दिमाग ताजा रहेगा और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर पाएंगे। इसके अलावा नियमित व्यायाम भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकता है। बच्चों को तनावमुक्त रखने के लिए ये कदम बेहद जरूरी हैं।

ध्यान या मेडिटेशन कराएं

ध्यान या मेडिटेशन बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। यह उनकी मानसिक शांति बढ़ाता है और तनाव को कम करता है। बच्चों को रोजाना कुछ मिनट ध्यान करने या मेडिटेशन करने के लिए प्रेरित करें। इससे उनकी ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ेगी और वे बेहतर तरीके से पढ़ाई कर पाएंगे। ध्यान या मेडिटेशन से बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वे किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

प्यार और समर्थन दें

अंत में सबसे जरूरी बात यह है कि अपने बच्चों को हमेशा प्यार और समर्थन दें। उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं चाहे परिणाम कुछ भी हो। उनके साथ बैठकर उनकी चिंताओं को सुनें और उन्हें समाधान सुझाएं। इससे वे आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और तनाव मुक्त रहेंगे। इन सरल तरीकों से आप अपने बच्चों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रख सकते हैं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -84

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

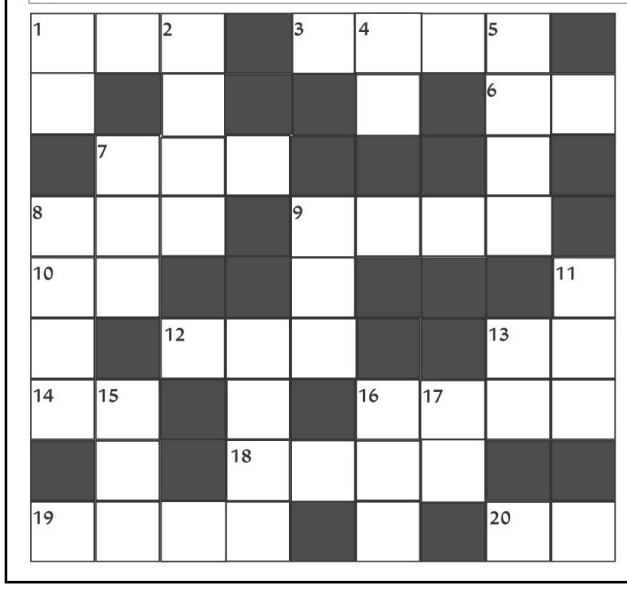

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 83 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

डू यू वाना पार्टनर में अभद्र भाषा पर श्वेता तिवारी बोलीं, मैं कांप रही थी

वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।

सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है।

डू यू वाना पार्टनर में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा। इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलाग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी। यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कालिन डीकुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

वड्डे नवीन अभिनीत और निर्मित ट्रांसफर त्रिमुर्थुलु का पहला लुक जारी

वड्डु नवीन द्वारा अभिनीत और निर्मित फिल्म ट्रांसफर त्रिमुर्थुलु का पहला लुक आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया गया है। वड्डे क्रिएशंस के बैनर तले और वड्डु जिष्णु द्वारा प्रस्तुत, इस प्रोजेक्ट से नवीन मुख्य अभिनेता और निर्माता की दोहरी भूमिका में सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन कमल तेजा नरला कर रहे हैं, जिन्होंने नवीन के साथ मिलकर इसकी कहानी और पटकथा भी लिखी है। राशि सिंह इसमें नवीन के साथ मुख्य भूमिका में हैं।

वड्डु नवीन प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म निर्माता वड्डु रमेश के बेटे हैं, जिन्होंने अपने बैनर विजया माधवी कंबाइन्स के माध्यम से उद्योग में महत्वपूर्ण पहचान बनाई। अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत, उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं, जैसे नंदामुरी तारक रामा राव (एनटीआर) के साथ बेबुली पुली, मेगास्टार चिरंजीवी के साथ लंकेश्वरुडु, रिबेल स्टार कृष्णम राजू के साथ कटकटला रुद्रय्या और कई अन्य क्लासिक्स जिनमें अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) और सुपरस्टार कृष्णा जैसे दिग्गज शामिल थे।

इसी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाते हुए, वड्डु नवीन ने अब सार्थक सिनेमा निर्माण के उद्देश्य से वड्डु क्रिएशन्स की स्थापना की है। ट्रांसफर त्रिमुर्थुलु इस बैनर तले बनी पहली फिल्म है। पिछले कुछ सालों से फिल्मों से दूर रहने के बाद, नवीन इस नए प्रोजेक्ट के साथ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। फिल्म की शूटिंग 15 मई, 2025 को शुरू हुई थी और इसका लगभग 80त्न निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

हाल ही में रिलीज़ हुए फर्स्ट लुक पोस्टर ने धूम मचा दी है और सभी का ध्यान खींचा है। दृश्यों को देखते हुए, ऐसा लगता है कि फिल्म में एक मजबूत हास्य कोण भी होगा, जो वड्डु नवीन के प्रदर्शन का एक नया पक्ष दिखाएगा। नवीन और राशी सिंह के साथ, फिल्म में रघु बाबू, साई श्रीनिवास, बाबा मास्टर, शिल्पा तुलस्कर, विवेक रघुवंशी, देवी प्रसाद, सूर्य कुमार भागवत दास, शिव नारायण, प्रमोदिनी, गायत्री भार्गवी, ज्वाला कोटि, देवी महेश, ऊहा रेड्डी, रेखा निरोश, गायत्री चागंती, सात्विक राजू और अंजलि प्रिया सहित अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सीजनल नहीं हैं क्वीर स्टोरीज, ये इंसानी कहानियां हैं : श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री-निर्माता श्वेता त्रिपाठी के ड्रामा कॉक को मुंबई और दिल्ली में प्राइड मंथ के दौरान खूब सराहना मिली। उन्होंने कहा कि क्वीर कहानियां सीजनल नहीं, बल्कि मानवीय हैं, जो साल भर सम्मान की हकदार हैं। श्वेता अपनी स्टेज प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायटी के तहत इस ड्रामा को भारत के अन्य शहरों में ले जाने की तैयारी कर रही हैं।

श्वेता ने बताया, यह ड्रामा मेरे दिल के बहुत करीब है। एक सहयोगी के रूप में, हमें हर दिन इन कहानियों को बढ़ावा देना चाहिए। ये इंसानी कहानियां हैं, जिन्हें जगह और सम्मान मिलना चाहिए।

उन्होंने बताया कि एक कलाकार के रूप में वह उस दुनिया की विविधता को दिखाने की जिम्मेदारी महसूस करती हैं, जिसमें हम रहते हैं।

कॉक एक ड्रामा है, जो प्यार, पहचान और सेक्सुअलिटी जैसे विषयों पर बनी है। ब्रिटिश नाटककार माइक बार्टलेट लिखित और मनीष गांधी के निर्देशन में बने इस नाटक में एक पुरुष की कहानी है, जो अपने पुराने पुरुष साथी और एक महिला के प्रति आकर्षण के बीच उलझा है।

यह नाटक भारतीय रंगमंच में एलजीबीटीक्यू प्लस प्रतिनिधित्व को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। श्वेता ने बताया कि वह साल 2025 और 2026 तक इस नाटक को और शहरों में ले जाने की योजना बना रही हैं, ताकि नए दर्शकों के साथ भी यह बातचीत जारी रहे।

नाटक के अलावा, श्वेता एक निर्माता के रूप में अपनी पहली फिल्म की तैयारी कर रही हैं, जो एक मार्मिक क्वीर प्रेम कहानी होगी।

एक्टिंग की बात करें तो श्वेता साल 2023 में आई विपुल मेहता की कॉमेडी फिल्म कंजूस मखीचूस में नजर आई थीं।

कंजूस मखीचूस का निर्माण सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के साथ थंडरस्काई एंटरटेनमेंट ने किया है। यह फिल्म प्रसिद्ध गुजराती नाटक सजन रे झूठ मत बोलो पर आधारित है।

फिल्म में श्वेता त्रिपाठी के साथ कुणाल खेमू, पीयूष मिश्रा, अलका अमीन और राजीव गुप्ता अहम भूमिकाओं में हैं। जी5 पर रिलीज हुई कंजूस मखीचूस कमीडियन राजू श्रीवास्तव की आखिरी फिल्म रही।

बिग बॉस 19 की वाइल्ड कार्ड शिखा मल्होत्रा हैं हद से ज्यादा ग्लैमरस

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 19 टीवी और ओटीटी पर लोगों का मनोरंजन कर रहा है। हमेशा की तरह इस शो में प्यारी और मजेदार मोमेंट देखने को मिल रहे हैं। वहीं, घर के कंटेस्टेंट के बीच लड़ाई-झगड़े वाला माहौल नजर आ रहा है। इसी बीच बिग बॉस 19 में पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री का चेहरा सामने आ गया है। इस शो में एक्ट्रेस और कोविड वॉरियर के नाम से मशहूर शिखा मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी थी।

शिखा मल्होत्रा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। शिखा मल्होत्रा के फोटोज और वीडियोज आते ही तेजी से वायरल हो जाते हैं।

शिखा मल्होत्रा के इंस्टाग्राम पर देखा जा सकता है कि वह काफी ज्यादा ग्लैमरस हैं। शिखा मल्होत्रा के फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

शिखा मल्होत्रा रिवीलिंग ड्रेस में तस्वीरें शेयर करने में बिल्कुल भी परहेज नहीं करती हैं। इस तरह से शिखा मल्होत्रा अपने फिगर को फ्लॉन्ट करने का मौका नहीं छोड़ती हैं।

शिखा मल्होत्रा अलग-अलग अंदाज में पोज उनके तमाम चाहने वाले फैंस का ध्यान खींचने में कामयाब रहते हैं। शिखा मल्होत्रा की प्यारी स्माइल लोगों का दिल धड़का जाती है।

शिखा मल्होत्रा के बारे में बता दें कि उन्होंने कोरोना के दौरान लॉकडाउन में मुंबई के अस्पताल में काम किया था। बताते चलें कि शिखा मल्होत्रा के पास नर्सिंग की डिग्री है।

शिखा मल्होत्रा के एक्टिंग करियर की बात करें तो वह फैन, रनिंग शादी, कांचली जैसी मूवीज में नजर आ चुकी हैं। शिखा मल्होत्रा एक नर्स होने के साथ बेहतरीन एक्टर भी हैं। अब देखने वाली बात होगी कि बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शिखा मल्होत्रा क्या कमाल दिखाती हैं।

मध्यप्रदेश के कण-कण में है सौंदर्य

डॉ. मोहन यादव

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण-कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार-बार आता है। मध्यप्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है।

पर्यटन के संबंध में दशकों पहले की अवधारणाएं अब समाप्त हो गई हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सैक्टर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्यप्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है।

मध्यप्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी।

प्रदेश में पर्यटन की नई-नई शाखाएं उभरी हैं। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ मध्यप्रदेश की पहचान बहु आयामी पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है।

प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे-भरे वन हमारी विशेषता हैं। हमारे वन जीवित हैं। देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है। नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से मध्यप्रदेश अब देश का एकमात्र चीता प्रदेश बन गया है। चीतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है।

सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है। अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गोंड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गोंड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं। मध्यप्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है, जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ईको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया और 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और बोरी वन्य जीव अभयारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों में सुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमपर्यटन वायु सेवा की शुरुआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है।

मध्यप्रदेश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है। ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजा की सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत में पहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ। ग्वालियर किले में नवीं शताब्दी के इस चतुर्भुज मंदिर में शून्य का सबसे शुरुआती शिलालेख पर उकेरा हुआ प्रमाण मिलता है। इस मंदिर को दुनिया में टैंपल ऑफ जीरो के नाम से भी पहचाना जाता है। धार्मिक आयोजनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है। बाबा श्रीमहाकाल की दिव्य सवारी को भव्य रूप दिया गया। रक्षा बंधन के त्यौहार और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को सार्वजनिक रूप से प्रदेश के कोने-कोने में मनाया गया।

धार्मिक महत्व के स्थलों में धार्मिक और सांस्कृतिक लोगो और स्मारकों का निर्माण आध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम देगा। संत रविदास लोक सागर, रानी दुर्गावती स्मारक जबलपुर, देवी लोक सलकनपुर सीहोर, रामराजा लोक ओरछा, जाम सांवली हनुमान लोक पांढुर्ना, पशुपतिनाथ लोक मंदसौर, परशुराम लोक जानापाव महू, महाराणा प्रताप लोक भोपाल, भादवा माता लोक नीमच, रानी अवंतीबाई स्मारक जबलपुर, माँ नर्मदा महालोक अमरकंटक अनूपपुर, देवी अहिल्या लोक खरगौन और नागलवाड़ी लोक बड़वानी में किया जा रहा है।

एक ओर जहां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन समृद्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर फिल्म पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म निर्माताओं को मध्यप्रदेश में आकर्षक सुविधाएं मिल रही हैं। कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग मध्यप्रदेश में हुई है। इससे स्थानीय कलाकारों को फिल्मो में काम मिला। फिल्म यूनिट के सदस्यों को होम स्टे की सुविधाओं का लाभ मिला। होम स्टे की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति को देखने-समझने में होम स्टे अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल 100 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं, जिनमें से 63 पर्यटन ग्राम विकसित हो चुके हैं। इनमें 470 से ज्यादा होम स्टे हैं। देश के पहले हैंडलूम गाँव प्राणपुर को वैश्विक पहचान मिली है। गॉड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट जैसी जनजातीय कलाओं से पर्यटक परचित हुए हैं।

हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन उद्योग का निरंतर विस्तार हो, ताकि पर्यटन की संभावनाओं को पूरी तरह रोजगार सृजन के लिये उपयोग किया जा सके। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख से ज्यादा पर्यटक प्रदेश में आये, जो एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बांधवगढ़, कान्हा, पन्ना और पेंच में आवागमन बढ़ा है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश ने आर्थिक निवेश के द्वार खोले हैं, पर्यटन क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ा है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी, उद्योग समूहों के सहयोग और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से पर्यटन का क्षेत्र मध्यप्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। (लेखक मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन हैं)

सू- दोकू क्र. 84

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 83 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

संघ प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी को हरी झंडी दी!

अजय दीक्षित

दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित नए क्षितिज कार्यक्रम में बोलते हुए एक प्रश्न के उत्तर में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि उनकी तरफ से राजनीति में 75 वर्ष रिटायरमेंट की आयु जैसा उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा है न वे इस आयु रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि हम भारतीय जनता पार्टी के विषय में कोई आदेश देते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं है। मोहन भागवत के इस कथन से पिछले एक साल से चली आ रही रिटायर होने की खबर पर विराम लग गया है और एक तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरी झंडी मिल गई है।

दरअसल कुछ दिनों पहले मोहन भागवत ने स्व मोरोपंत पिंगल को उद्धत कर कह दिया था। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चल निकली थी कि शायद मोदी 2029 से पहले अवकाश ग्रहण करेंगे और उस श्रेणी में राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, लालमणि चौबे,सहित अनेक नेता भी शामिल थे। इसी आधार पर कलराज मिश्र, होशियारी, भुवन चंद्र खंडूरी,आदि को भी अवकाश दिया गया था। नयी दिल्ली में तो बकायदा प्रधानमंत्री पद के लिए संभावित नेताओं के नाम मीडिया में आने लगे थे जिसमें सबसे बड़ा नाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ,का था। जानकार सूत्रों ने बताया है कि संघ ने इस मामले में जनता और कार्यकर्ताओं का रिएक्शन आने का इंतजार किया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं निकल पाया तो संघ ने स्थिति स्पष्ट करने में ही संगठन की भलाई समझी।दूसरे सर कारवाहा दत्तात्रेय होसबोले , ने भी अपनी भूमिका निभाई,।

भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मामलों के जानकार जानते हैं कि इस प्रकार के सोच विचार नागपूर में चलते रहते हैं। योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव, देवेंद्र फडणवीस, सी पी राधाकृष्णन, रेखा गुप्ता इसी विचार का परिणाम है। भारतीय जनता पार्टी जब से बनी है उसमें केवल अटल बिहारी वाजपेई ही ऐसे नेता रहे जो संघ की पकड़ से बाहर तो नहीं थे लेकिन अपने विस्तृत जनाधार के कारण संघ की मजबूरी भी थे । लालकृष्ण आडवाणी, के वो कृष्णमूर्ति, कुशाभाऊ ठाकरे, संघ की पसंद थे। नए क्षितिज कार्यक्रम में बोलते हुए मोहन भागवत ने और भी कई बिंदुओं को लेकर अपने विचार रखे।सबसे प्रमुख बात जो उन्होंने बताई कि 15 वीं सदी में ईरान के लोगो ने कहा कि हिमालय के उस पार वाले क्षेत्र में हदवा लोग रहते हैं। इसी से बना हिन्दू। हिंदू कोई धर्म नहीं है बल्कि भारतीय उप महाद्वीप में रहने वाला मनुष्य हिन्दू चाहे वह किसी भी धर्म को मानता हो यहां तक कि मुस्लिम भी।अभी भी मक्का मदीना में भारतीय मुस्लिमों को हिंद मुसलमान कहते हैं।

अवनीत कौर की फिल्म लव इन वियतनाम का ट्रेलर रिलीज

फिल्म लव इन वियतनाम में प्यार की कहानी देश की सीमाओं को पार करके एक खूबसूरत दुनिया से दर्शकों को रूबरू कराएगी। इस फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन भी हैं। फिल्म में लव ट्राइएंगल है, जो इन तीनों के किरदार के बीच बनता है। फिल्म लव इन वियतनाम के ट्रेलर में पंजाब से शुरू होकर कहानी वियतनाम तक पहुंचती है। एक लड़का (शांतुन) और लड़की (अवनीत कौर) बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। लड़की की ख्वाहिश बड़े होकर लड़के की दुल्हन बनने की है। लेकिन लड़के पिता बड़े होने पर उसे वियतनाम भेज देते हैं। वियतनाम पहुंचकर उसे एक तस्वीर देखकर अनजान वियतनामी लड़की (खा नागन) से प्यार हो जाता है। लेकिन असल में वह उससे मिला भी नहीं है। इस वजह से पंजाबी की लड़की और उसकी दोस्त का दिल टूट जाता है। आखिरी ये प्रेम कहानी किस अंजाम पर जाकर खत्म होगी, यही फिल्म में दिखाया जाएगा। फिल्म में अवनीत कौर, शांतुन महेश्वरी और वियतनामी एक्ट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रोवर, राज बब्बर जैसे नामी कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में पंजाब और वियतनाम की खूबसूरत लोकेशन भी नजर आएंगी। फिल्म लव इन वियतनाम ने जल्द ही सिनेमाघरों में पहुंचेगी।

ट्रंप के खास चार्ली कर्क की हत्या

कार्यालय संवाददाता

वाशिंगटन। अमेरिका की यूटा यूनिवर्सिटी में छात्रों की भारी भीड़ के बीच कंजरवेटिव एक्टिविस्ट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी दोस्त चार्ली कर्क की हत्या कर दी गई। जिस समय उन्हें गोली मारी गई, वह कैंपस के भीतर एक पोडियम से छात्रों को संबोधित कर रहे थे कि तभी एक गोली आकर उनके गले पर लगी। चार्ली कर्क ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन के कट्टर समर्थक हैं और 2024 राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को युवाओं का वोट दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही। रिपोर्ट के मुताबिक, चार्ली कर्क को बुधवार दोपहर 12 बजे के आसपास गोली मारी गई।

चुनाव प्रचार के दिनों से ही अमेरिका फर्स्ट ट्रंप का बड़ा एजेंडा रहा है। चार्ली भी इसे आगे बढ़ा रहे थे। 2 सितंबर को ही उन्होंने एक्स पर लिखा था, श्अमेरिका को भारत से आने वाले लोगों के लिए वीजा देने की जरूरत नहीं है। शायद किसी भी तरह के अवैध आव्रजन (इमीग्रेशन) ने अमेरिका कामगारों को प्रभावित नहीं किया है, जितना भारतीयों ने किया है। बहुत हो गया। हम पूरी तरह भर चुके हैं और अपने लोगों को प्राथमिकता देते हैं।श सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स वाले चार्ली को टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने इसकी स्थापना 2012 में महज 18 साल की उम्र में की थी। उनका जन्म शिकागो के एक उपनगरीय क्षेत्र में हुआ था। लॉन्चिंग के बाद से ही संगठन तेजी से बढ़ा और अमेरिका के कॉलेजों में इसका विस्तार हुआ। कहा जाता है कि इसके 800 से ज्यादा चौप्टर हैं, जो अलग-अलग कॉलेजों में काम कर रहे हैं। चार्ली इजरायल का भी खुलकर समर्थन करते थे। चार्ली खुद इजरायल जा चुके हैं, जहां उन्हें मुल्क के लिए ट्रंप की नीतियों की तारीफ की थी।

नाबार्ड ने डेयरी विकास विभाग को अवसंरचना विकास हेतु 93 करोड़ रुपए स्वीकृत किए

संवाददाता

देहरादून। नाबार्ड ने शिक्षा व डेयरी विकास विभाग को अवसंरचना विकास हेतु 93 करोड रूपये स्वीकृत किये।

आज यहां राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने ग्रामीण अवसंरचना विकास को सुदृढ़ करने के क्रम में उत्तराखण्ड सरकार को आरआईडीएफ के अंतर्गत 9,281.56 लाख की 03 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। शिक्षा विभाग को बागेश्वर जिले में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय तथा चमोली जिले में राजकीय इंटर कॉलेज सिल्पाटा के निर्माण हेतु 4,460.36 लाख स्वीकृत किए गए हैं। इन परियोजनाओं से पहाड़ी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शैक्षिक सुविधाएँ तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे इन क्षेत्रों में शिक्षा के अवसरों का दायरा और व्यापक होगा। डेयरी क्षेत्र में 4,821.20 लाख की लागत से सितारगंज (ऊधमसिंह नगर) में आधुनिक 10 एमटी क्षमता के मिल्क पाउडर संयंत्र, 5,000 लीटर क्षमता के आइसक्रीम प्लांट और 02 एमटी क्षमता के बेकरी यूनिट स्थापित किए जाएंगे।

इस परियोजना से प्रदेश की डेयरी प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि होगी एवं प्रदेश में ही मिल्क पाउडर बनाया जाएगा जिससे समीपवर्ती राज्यों से मिल्क पाउडर बनवाने का एवं लोडिंग/ अनलोडिंग का व्यय कम होगा साथ ही स्थानीय उत्पादकों को बड़े बाजारों तक पहुँच में आसानी होगी।

इस परियोजना के तहत डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा आधारभूत संरचना का निर्माण किया जाएगा तथा निजी भागीदार द्वारा संयंत्र का संचालन 'निर्माण-संचालन-ट्रांसफर' मॉडल पर किया जाएगा। इन परियोजनाओं के माध्यम से नाबार्ड ने उत्तराखण्ड में सतत ग्रामीण विकास और समावेशी प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

किया जाता है, जिसके उपरांत कमेटी द्वारा कार्यवाही कर, महिलाओं को सुरक्षा का अधिकार प्रदान करता है। सचिव द्वारा बालिकाओं के प्रश्नों और जिज्ञासाओं के जवाब दिए गए। इस अवसर पर पराविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर सिंह रावत द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों और विधिक सहायताओं के विषय में जानकारी दी। एएनटीएफ के निरीक्षण के. आर. पाण्डेय द्वारा नशे के दुष्प्रभावो और उससे होने वाले लक्षणों के बारे में जानकारी दी और बताया कि नशा किस प्रकार से समाज और परिवार के लिए अभिशाप बन जाता है। कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती नमिता ममगाई द्वारा सभी आगंतुक अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। बच्चों द्वारा नशे के दुष्प्रभावो विषय पर नुक्कड़ नाटक की सुंदर प्रस्तुति भी की गई। अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून की ओर से प्रधानाचार्य को फर्स्ट एड मेडिकल किट प्रदान किया गया और 13 सितंबर 2025 को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के पंपलेट भी वितरित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती पूनम भंडारी, इंद्रजीत कौर, अनुपमा उनियाल सहित शिक्षिकाएं एवं 300 से अधिक छात्राएं उपस्थित रही।

आप सांसद संजय सिंह जम्मू-कश्मीर में हाउस अरेस्ट

कार्यालय संवाददाता

जम्मू। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि उसके राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जम्मू-कश्मीर में हाउस अरेस्ट कर दिया गया है, जब वे विधायक मेहराज मलिक की हिरासत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए श्रीनगर पहुंचे थे।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और दिल्ली विधायक इमरान हुसैन ने बुधवार को श्रीनगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस और धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की योजना बनाई थी। लेकिन पार्टी का आरोप है कि उन्हें सरकारी गेस्ट हाउस से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई और गेस्ट हाउस को पुलिस द्वारा बंद कर दिया गया, उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया गया। इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला संजय सिंह से मिलने गेस्ट हाउस पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। संजय सिंह ने गेट पर चढ़कर उनसे बात की। संजय सिंह ने कहा है, तानाशाही चरम पर है। मैं इस वक्त श्रीनगर में हूं। लोकतंत्र में हक के लिए आवाज उठाना हमारा संवैधानिक अधिकार है। आज मेहराज मलिक की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ श्रीनगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस और धरना था लेकिन सरकारी गेस्ट हाउस को पुलिस छावनी बना दिया गया है। मुझे इमरान हुसैन और साथियों को गेस्ट हाउस से बाहर निकलने की इजाजत नहीं है। उन्होंने यह दावा भी किया कि जब फारूक अब्दुल्ला मिलने आए, तो पुलिस ने उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी। संजय सिंह ने लिखा, बहुत दुख की बात है। डॉक्टर फारूख अब्दुल्ला जी, पुलिस द्वारा मुझे हाउस अरेस्ट किए जाने की खबर पाकर मुझसे मिलने सरकारी गेस्ट में आए, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। यह तानाशाही नहीं तो और क्या है?

घर में घुसकर मारपीट करने पर आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। घर में घुस कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी मोहम्मद अली ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले तैयब अली, पुत्र अलीमुददीन, श हबान पुत्र मुख्तयार, अब्दुली हसन पुत्र कुतुददीन, आशिक अली पुत्र अलीमुददीन, खालिद पुत्र तैयब अली, जमाल हसन पुत्र अब्दुल हसन व मेहरबान पुत्र आशिक अली उसके घर में घुस आये और उसकी पत्नी के साथ गाली गलौच करने लगे। उसकी पत्नी ने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग उसको बचाने के लिए आये तो सभी हमलावर उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये।

भारी मात्रा में गांजे सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज नशा तस्करी की एक सूचना के बाद कोतवाली ज्वालापुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस को चक्की वाली गली लाल मंदिर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। जिस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.62 ग्राम गाजा बरामद हुआ। पूछतछ में उसने अपना नाम हरजीत सिंह निवासी लाल मंदिर कॉलोनी राजीव नगर कोतवाली ज्वालापुर बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

आपदा प्रभावितों के लिए विशेष पैकेज देने की मांग, पीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। आपदा प्रभावितों को विशेष पैकेज देने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचे। जहां से उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि राज्य वर्तमान में भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहा है। लगातार हो रही भारी वर्षा, भूस्खलन, बादल फटने तथा अन्य दैवीय आपदाओं से राज्य के पर्वतीय जनपदों में जन धन की भारी क्षति हुई है। सैकडों परिवार बेघर हो गए हैं और कई स्थानों पर सडक, पुल, जलापूर्ति और बिजली जैसी बुनियादी सेवाएं बाधित हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को हालिया आपदाओं से उबरने और भविष्य की चुनौतियासें से निपटने के लिए कम से कम 20 हजार करोड का विशेष राहत एवं पुनर्वास पैकेज तत्काल प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान को देखते हुए पर्यटन, तीर्थाटन, होटल व्यवसाय और छोटे उद्योग-व्यापार को पुरर्जीवित करने के लिए विशेष वित्तीय पैकेज दिया जाये।

उन्होंने कहा कि राज्य में आई इस दैवीय आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाये ताकि त्वरित और व्यापक राहत व पुनर्वास कार्य शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रभावित जिलों में राहत सामग्री और धनराशि का पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र और राज्य स्तर पर संयुक्त निगरानी तंत्र बनाया जाए। इस अवसर पर दिनेश कौशल व अन्य लोग मौजूद रहे।

नेपाल हिंसा में दून की महिला की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। नेपाल में भड़की हिंसा में दून के एक कारोबारी की पत्नी की दर्दनाक मौत हो गयी। जिसके बाद कारोबारी शव लाने के लिए कई जगह भटके जिन्हे दूतावास से भी कोई मदद नहीं मिल सकी।

जानकारी के अनुसार देहरादून और गाजियाबाद में ट्रांसपोर्ट कारोबार करने वाले रामबीर सिंह गोला अपनी पत्नी के साथ नेपाल घूमने गए थे। बताया जा रहा है कि वह काठमांडू के एक होटल में रुके जहां अचानक हिंसा भड़कने से उनकी पत्नी की मौत हो गई। हादसे के बाद रामबीर पत्नी का शव भारत लाने के लिए दर-दर भटकते रहे, लेकिन उन्हें तत्काल किसी भी ओर से मदद नहीं मिल सकी। बताया जा रहा है कि काठमांडू स्थित जिस होटल में दंपती ठहरे थे, वहां उपद्रवियों ने अचानक आगजनी शुरू कर दी। अफरातफरी में लोग जान बचाने के लिए होटल से भागने लगे। इसी दौरान रामबीर की पत्नी चौथी मंजिल से नीचे गिर गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना की जानकारी रामबीर को तब हुई जब उन्होंने पत्नी को ढूंढना शुरू किया। रामबीर का दर्द यहीं खत्म नहीं हुआ। उन्होंने नेपाल दूतावास से मदद मांगी, लेकिन उन्हें मदद का आश्वासन नहीं मिला। दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास से संपर्क करने पर भी उन्हें सिर्फ इतना कहा गया कि 'मौका लगते ही सुरक्षा बलों से बात कर शव को बॉर्डर पार कराया जाएगा।'रामबीर सिंह गोला के तीन बच्चे हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। हादसे की खबर सुनते ही परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

क्लीनिक का ताला तोड़ मशीने चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने फिजियो थेरेपी क्लीनिक का ताला तोड वहां से मशीने चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्या विहार निवासी डॉ राकेश ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि क्षेत्र में उसको फिजियो थेरेपी क्लीनिक है। आज जब वह क्लीनिक में पहुचा तो देखा की क्लीनिक का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर से उसकी मशीने गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गंगोत्री धाम की यात्रा शुरू

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। धराली आपदा के बाद बीते कल गंगोत्री धाम की तीर्थयात्रा विधिवत रूप से शुरू हो गई है। यात्रा के पहले ही दिन 500 से अधिक तीर्थयात्री उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया और मां गंगा की भोग मूर्ति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

बता दें कि बीते दिनो धराली आपदा के कारण सड़कों के टूट जाने से गंगोत्री धाम यात्रा बंद कर दी गयी थी। जिसके बाद प्रशासन के अथक प्रयासों के बाद सड़के दोबारा से सुधारी गयी। जिसके बाद बीते रोज गंगात्री धाम यात्रा विधिवित रूप से शुरू कर दी गयी है।

उत्तरकाशी प्रशासन मौसम और सड़क मार्ग की स्थिति को देखते हुए यात्रियों को सीमित संख्या में भेज रहा है। बीते रोज सुबह जिला मुख्यालय में रुके श्रद्धालुओं को टैक्सी यूनियन ज्ञानसू व भटवाड़ी प्वाइंट से वाहनों के जरिए गंगोत्री धाम रवाना किया गया।

वहीं, यमुनोत्री धाम यात्रा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा 13 सितंबर को निर्णय लिया जाएगा।

नशा तस्करी में मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मेडिकल स्टोर की आड़ में नशे का कारोबार करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 60 नशीले इंजेक्शन व इंजेक्शन बेच कर कमाई नगदी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली लक्सर पुलिस ने नशा तस्करी की एक सूचना के आधार पर एक मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की गयी। इस दौरान मेडिकल स्टोर संचालक को हिरासत में लेकर जब खोजबीन की गयी तो उसके पास से 60 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। जिनका वह कोई प्रमाण नहीं दे सका। पूछताछ में उसने अपना नाम दीपक पुत्र धर्मवीर निवासी बुक्कनपुर थाना पथरी जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके पास से नशीले कैप्सूल बेच कर कमाई गयी 2820 रूपये की धनराशि भी बरामद की गयी है।

बहरहाल पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मेडिकल स्टोरों पर औषधि विभाग व पुलिस की संयुक्त छापेमारी

संवाददाता

टिहरी। पुलिस व औषधि विभाग ने मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी कर पांच दुकानों में मानकों का उल्लंघन करने पर उनको दवाये क्रय विक्रय करने पर रोक लगायी।

आज यहां उत्तराखंड शासन द्वारा जनहित में निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेशभर में मेडिकल स्टोरों/दुकानों पर बेची जा रही नकली दवाओं एवं मादक पदार्थों की अवैध बिक्री को रोकने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। इसी क्रम में सायं को जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी टिहरी एवं नरेंद्रनगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मुनि की रेती एवं औषधि

निरीक्षक, खाद्य संरक्षण एवं औषधि प्रशासन, नई टिहरी द्वारा संयुक्त टीम गठित कर थाना क्षेत्रान्तर्गत ढालवाला, कैलाश गेट, शीशमझाड़ी एवं तपोवन क्षेत्रों में स्थित मेडिकल स्टोर/दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई मेडिकल स्टोरों पर दवाओं की बिक्री में नियमों की भारी अनदेखी व मानकों का उल्लंघन पाया गया। मौके पर औषधि निरीक्षक द्वारा संबंधित संचालकों को कड़ी हिदायत दी गई। साथ ही दवाओं के क्रय-विक्रय पर तत्काल रोक लगाते हुए उन्हें निर्धारित मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। सेमवाल मेडिकल स्टोर, ढालवाला, ओम मेडिकल स्टोर, ढालवाला, हरि मेडिकल स्टोर, शीशमझाड़ी, श्री कृष्णा मेडिकल स्टोर, शीशमझाड़ी, पुण्डीर मेडिकल स्टोर, कैलाश गेट पर क्रय विक्रय पर रोक लगायी गयी। पुलिस प्रशासन एवं औषधि विभाग ने जनमानस से अपील की है कि किसी भी मेडिकल स्टोर पर नकली अथवा अवैध दवाओं की बिक्री की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस या औषधि विभाग को दें, ताकि जनहित में त्वरित कार्यवाही की जा सके।

पिस्तौल से केक काटने पर तीन युवक हिरासत में

संवाददाता

देहरादून। पिस्तौल से केक काटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस ने एसएसपी के आदेश पर तीन युवकों को हिरासत में ले पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही की।

मिली जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो, जिसमें एक युवक द्वारा पिस्तौल से बर्थडे केक काटा जा रहा है, उक्त वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी अजय सिंह द्वारा वीडियो में देख रहे युवकों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। वायरल वीडियो की जांच में उक्त वीडियो हर्रावाला क्षेत्र का होना प्रकाश में आया, जिस पर पुलिस

द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए वीडियो में दिख रहे तीनों युवकों की पहचान तीनो युवकों अभिषेक पुत्र विजेंद्र सिंह निवासी रेलवे कॉलोनी, हर्रावाला, अमित कुमार पुत्र सिकंदर महतो निवासी मियां वाला चौक, हर्रावाला, थाना डोईवाला, कार्तिक जोशी पुत्र राकेश चंद्र जोशी निवासी मियावाला थाना डोईवाला हिरासत में लिया गया, जिनके पास से वीडियो में दिख रही नकली पिस्तौल को बरामद किया गया, जो असल मे एक लाइटर पिस्टल थी, जो आरोपियों द्वारा बाजार से खरीदी गई थी। 08 सितम्बर 2025 को उनमें से एक युवक अभिषेक का बर्थडे था तथा फेसबुक पर टीआरपी बढ़ाने के चक्कर में उक्त लड़कों द्वारा उक्त नकली पिस्टल लाइटर, जो की पिस्टल नुमा थी, से केक को काटा गया था। पुलिस द्वारा उक्त तीनों युवकों के विरुद्ध पुलिस एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की गयी

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।